%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 026

No. 016

Lakṣhmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1182; A. R. No. 365-XV of 1899 )

Ś. 1129<2>

(१।) आसी[त] [भ]रद्वाजपवित्रगोत्रजस्सम[स्तशा]स्त्रार्त्थ-

परार्त्त(र्थ)सार[ः]...श्रीकेशवार्य्यत्स[तु य]ज्वनाम-

(२।) [को]गुरुः परं यो गृहमेधधर्म्मिणां [।] तस्यौ रसी-

प्यास्त समस्तशास्त्र श्रीलस्सुतो यशोभि-

(३।) भु वनेषु विश्रुतः सदाश्रयास्वाक्रमधम्म धम्मिणां

श्रीरामसूरी भुवि सूरिणां वरः [।। १] शाका-

(४।) द्वे निधि-नेत्र-चंद्र शशिभिर्याते च मेषं गते [सू]र्य्ये

सूरिवरोयमत्र दिव[से] शौरे च वारे रवेः पित्रो[ः]

स्व[स्य] च मगलात्थ-

(५।) मखिलक्षेमाय दीप ददौ याव[त्] चंद्रदिवाकर[ं] न्नुहरये

सि[ं]हाचल [स्था]इने [।। २] स्वस्तिश्री [।।] शकवर्षवुलु

(६।) ११२९ गुने[ण्टि मे]ष सक्रां(क्रा)न्ति निमित्तमुन श्रामत

श्रीहरि श्रीनरसिंहदेवरकु सकलकलापरिण

(७।) तुलैन श्रीरामभट्टोपाध्यायुलु तम तल्लि सूरन्नव्वकु तम

त[ंड्रि] केशवभट्टोपाध्यायलकु धम्म-

(८।) वुगा वेट्टिन अखडदीप मोक्कण्टिकि ई देव श्रीभंडारमुनांडु

[ओ]ड्डिन वीरगोट्टवु गद्य-

<1. On the wall to the proper right of the western entrance into this temple.>

<2. The corresponding date is the 25th March, 1267 A. D.>

%%p. 027

(९।) लु पदि ई माडलु दुत्ताड़ नरसिंह[मु]नियति चेरुवुनं

वेट्टि ग्रापिंचुट जेवि ई चे [रु]वुडिगट ट्ट डुनेदु-

(१०।) मु नेलकु च्रालुवान्ति ई पोलमुन फलभोगमुन प्रतिसंव-

त्सरंवुल दु नित्य नरसि[ं]हमानिक मानेंडु

(११।) नेति लेक्क न(ना)च द्रार्क्कमुं जेल्ल ग्गालदिगा श्रावण-

स[हि]तमुगा पेट्टिरि ई धर्म्मु वुपिच्चिनवारु गगव [रु]त

वेइ गोदानमुलु सेसिन पलमु प-

(१२।) ड़यंगला[रु] ई धर्म्मवु विघ्नमु सेसिनवारु गंग्गकं(क)[र्तु]

वे[इ] कवि(पि)लमोदाल वध सेसिन पापमुन पडंगलारु

शत्रुणापि क्रितो धर्म्म[ः]

(१३।) पालनीयो मनीषिभिः शत्रुरेव हि श[त्रुः]स्यात् धर्म्मः

कस्यचि(चि)द्रिपुः [।।] ई धर्म्ममु श्रीवैष्णव रक्ष ।